

वायु प्रदूषण

दे

श की लगातार खराब होती आबोहवा के बावजूद वायु प्रदूषण व्यापक राष्ट्रीय विमर्श का मुद्दा न बन पाना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। विंडोना यह है कि जन स्वास्थ्य से जुड़ा यह मुद्दा न तो चुनावी घोषणा पत्रों में नजर आता है और न ही नीति-नियता ही इस विषय पर संवेदनशील नजर आते हैं। नागरिकों के स्तर पर भी हम वह जागरूकता नहीं ला पाए हैं, जिससे वे जनप्रतिनिधियों को वायु प्रदूषण रोकें के लिये कारोबार नीति बनाने के लिये बात्य कर सकें। हाल ही में समाजे आए एक शोध का बह निकर्क चौकाने वाला है कि दिशिंग-पूर्व एशिया में ध्रूमपान न करने वाले लोगों में भी फैफड़े के कैंसर के मामलों में खासी तेज़ी आई है। एक नया अध्ययन बताता है कि इस संकट की मूल वजह वायु प्रदूषण ही है। हाल ही में 'लैंसेट रेसिस्टरी मेडिसिन जर्नल' में प्रकाशित अध्ययन में खुलासा किया गया है कि साल 2022 में पच्चीस लाख लोगों में इस बीमारी का पता चला था। हालांकि, इस कैंसर का शिकाया होने वालों में ज्यादा संख्या पुरुषों की थी लेकिन महिलाओं की संख्या में भी अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई। वर्ती दूसरी ओर विश्व स्वास्थ्य संगठन की अंतर्राष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान एंजेसी यानी आईएआरसी समेत कई अन्य संगठनों के शोधकर्ताओं ने डेटा विश्लेषण के बाद निकर्क दिया कि एडेनोकार्सिंगों पुरुषों और महिलाओं में कैंसर का एक मुख्य कारक बनता जा रहा है। यानी ऐसा कैंसर जो बलगम और पचान में मढ़द करने वाले तरल पदार्थ उत्पन्न करने वाली ग्रंथियों से शुरू होता है। वर्ष 2022 में दुनिया भर में कभी ध्रूमपान न करने वाले लोगों के फैफड़े के कैंसर के 53 से 70 फौसदी मामले इसी कारक की वजह से समाजे आए हैं। यह विंडोना ही है कि वे इन देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर कर की दर में वृद्धि कर रहे। दिनांक 4 फरवरी 2025 से कानाडा एवं मैक्सिको से अमेरिका में होने वाले उत्पादों के आयात पर 20 प्रतिशत एवं चीन से होने वाले आयात पर 10 प्रतिशत का आयात कर लगा दिया है। वैश्विक स्तर पर उक्त प्रकार की उथल पुथल के अतिरिक्त रूप यूक्रेन युद्ध जारी ही है एवं कुछ समय पूर्व तक हमास इजराईल युद्ध भी चलता ही रहा था। वैश्विक स्तर पर उक्त विपरीत परिस्थितियों के बीच भी भारत, अपनी आर्थिक विकास दर को कायम रखते हुए, विश्व की सबसे तेज़ गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। हां, विश्वीय वर्ष 2024-25 की प्रथम दो तिमाहियों में सकल घेरेलू उत्पाद में वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत एवं 5.3 प्रतिशत क्रमशः के आसपास रही है। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो आगे आने वाले दो दशकों तक आर्थिक विकास दर को 8 प्रतिशत से ऊपर रखना आवश्यक होगा। अतः केंद्र सरकार द्वारा भारत की आर्थिक विकास दर को इस विश्वीय वर्ष की दो तिमाहियों में दर्ज की गई लगभग 5.3 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को 8 प्रतिशत से ऊपर ले जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

अभी हाल ही में केंद्र सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन ने लोक सभा में विश्वीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश किया है। इस बजट के माध्यम से एक लाख लोगों के वायु प्रदूषण से मरने का आंकड़ा सामने आया था। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अकेले भारत में इक्सीस लाख यात्री वायु प्रदूषण जनित विभिन्न बीमारियों से होने की आशंका है। देश की राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत विभिन्न बड़े शहरों में वायु प्रदूषण के चिन्ताजनक आंकड़े अकेले सामने आते रहते हैं। यहां तक कि कई बार देश की शीर्ष अदालत दिल्ली को गैस चेंबर बनाने का अक्षेप लगाती रही है। लेकिन जब वायु प्रदूषण की स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है तो विभिन्न ग्रैम मानकों के अंतर्गत रूपरूप विभिन्न ग्रैम जात है। निश्चित रूप से दुनिया भर में वायु प्रदूषण के संकट के साथीयों की सामिकाना नजर नहीं आती। एटेंट अफ ग्लोबल एयर की साल 2024 में आई एक रिपोर्ट में पूरी दुनिया में 81 लाख लोगों के वायु प्रदूषण से मरने का आंकड़ा सामने आया था। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अकेले भारत में इक्सीस लाख यात्री वायु प्रदूषण जनित विभिन्न बीमारियों से होने की आशंका है। देश की राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत विभिन्न बड़े शहरों में वायु प्रदूषण के चिन्ताजनक आंकड़े अकेले सामने आते रहते हैं। यहां तक कि कई बार देश की शीर्ष अदालत दिल्ली को गैस चेंबर बनाने का अक्षेप लगाती रही है। लेकिन जब वायु प्रदूषण की स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है तो विभिन्न ग्रैम मानकों के अंतर्गत रूपरूप विभिन्न ग्रैम जात है। निश्चित रूप से दुनिया भर में वायु प्रदूषण के संकट के साथीयों की सामिकाना नजर नहीं आती। एटेंट अफ ग्लोबल एयर की साल 2024 में आई एक रिपोर्ट में पूरी दुनिया में 81 लाख लोगों के वायु प्रदूषण से मरने का आंकड़ा सामने आया था। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अकेले भारत में इक्सीस लाख यात्री वायु प्रदूषण जनित विभिन्न बीमारियों से होने की आशंका है। देश की राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत विभिन्न बड़े शहरों में वायु प्रदूषण के चिन्ताजनक आंकड़े अकेले सामने आते रहते हैं। यहां तक कि कई बार देश की शीर्ष अदालत दिल्ली को गैस चेंबर बनाने का अक्षेप लगाती रही है। लेकिन जब वायु प्रदूषण की स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है तो विभिन्न ग्रैम मानकों के अंतर्गत रूपरूप विभिन्न ग्रैम जात है। निश्चित रूप से दुनिया भर में वायु प्रदूषण के संकट के साथीयों की सामिकाना नजर नहीं आती। एटेंट अफ ग्लोबल एयर की साल 2024 में आई एक रिपोर्ट में पूरी दुनिया में 81 लाख लोगों के वायु प्रदूषण से मरने का आंकड़ा सामने आया था। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अकेले भारत में इक्सीस लाख यात्री वायु प्रदूषण जनित विभिन्न बीमारियों से होने की आशंका है। देश की राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत विभिन्न बड़े शहरों में वायु प्रदूषण के चिन्ताजनक आंकड़े अकेले सामने आते रहते हैं। यहां तक कि कई बार देश की शीर्ष अदालत दिल्ली को गैस चेंबर बनाने का अक्षेप लगाती रही है। लेकिन जब वायु प्रदूषण की स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है तो विभिन्न ग्रैम मानकों के अंतर्गत रूपरूप विभिन्न ग्रैम जात है। निश्चित रूप से दुनिया भर में वायु प्रदूषण के संकट के साथीयों की सामिकाना नजर नहीं आती। एटेंट अफ ग्लोबल एयर की साल 2024 में आई एक रिपोर्ट में पूरी दुनिया में 81 लाख लोगों के वायु प्रदूषण से मरने का आंकड़ा सामने आया था। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अकेले भारत में इक्सीस लाख यात्री वायु प्रदूषण जनित विभिन्न बीमारियों से होने की आशंका है। देश की राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत विभिन्न बड़े शहरों में वायु प्रदूषण के चिन्ताजनक आंकड़े अकेले सामने आते रहते हैं। यहां तक कि कई बार देश की शीर्ष अदालत दिल्ली को गैस चेंबर बनाने का अक्षेप लगाती रही है। लेकिन जब वायु प्रदूषण की स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है तो विभिन्न ग्रैम मानकों के अंतर्गत रूपरूप विभिन्न ग्रैम जात है। निश्चित रूप से दुनिया भर में वायु प्रदूषण के संकट के साथीयों की सामिकाना नजर नहीं आती। एटेंट अफ ग्लोबल एयर की साल 2024 में आई एक रिपोर्ट में पूरी दुनिया में 81 लाख लोगों के वायु प्रदूषण से मरने का आंकड़ा सामने आया था। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अकेले भारत में इक्सीस लाख यात्री वायु प्रदूषण जनित विभिन्न बीमारियों से होने की आशंका है। देश की राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत विभिन्न बड़े शहरों में वायु प्रदूषण के चिन्ताजनक आंकड़े अकेले सामने आते रहते हैं। यहां तक कि कई बार देश की शीर्ष अदालत दिल्ली को गैस चेंबर बनाने का अक्षेप लगाती रही है। लेकिन जब वायु प्रदूषण की स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है तो विभिन्न ग्रैम मानकों के अंतर्गत रूपरूप विभिन्न ग्रैम जात है। निश्चित रूप से दुनिया भर में वायु प्रदूषण के संकट के साथीयों की सामिकाना नजर नहीं आती। एटेंट अफ ग्लोबल एयर की साल 2024 में आई एक रिपोर्ट में पूरी दुनिया में 81 लाख लोगों के वायु प्रदूषण से मरने का आंकड़ा सामने आया था। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अकेले भारत में इक्सीस लाख यात्री वायु प्रदूषण जनित विभिन्न बीमारियों से होने की आशंका है। देश की राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत विभिन्न बड़े शहरों में वायु प्रदूषण के चिन्ताजनक आंकड़े अकेले सामने आते रहते हैं। यहां तक कि कई बार देश की शीर्ष अदालत दिल्ली को गैस चेंबर बनाने का अक्षेप लगाती रही है। लेकिन जब वायु प्रदूषण की स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है तो विभिन्न ग्रैम मानकों के अंतर्गत रूपरूप विभिन्न ग्रैम जात है। निश्चित रूप से दुनिया भर में वायु प्रदूषण के संकट के साथीयों की सामिकाना नजर नहीं आती। एटेंट अफ ग्लोबल एयर की साल 2024 में आई एक रिपोर्ट में पूरी दुनिया में 81 लाख लोगों के वायु प्रदूषण से मरने का आंकड़ा सामने आया था। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अकेले भारत में इक्सीस लाख यात्री वायु प्रदूषण जनित विभिन्न बीमारियों से होने की आशंका है। देश की राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत विभिन्न बड़े शहरों में वायु प्रदूषण के चिन्ताजनक आंकड़े अकेले सामने आते रहते हैं। यहां तक कि कई बार देश की शीर्ष अदालत दिल्ली को गैस चेंबर बनाने का अक्षेप लगाती रही है। लेकिन जब वायु प्रदूषण की स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है तो विभिन्न ग्रैम मानकों के अंतर्गत रूपरूप विभिन्न ग्रैम जात है। निश्चित रूप से दुनिया भर में वायु प्रदूषण के संकट के



अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है। यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो। जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं, लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमें पैसे थोड़े कम व्ययों न हो।

शुरू से शुरूआत करें

यह बात पहली ही अपने मन में बैठा ले कि जब आप कोई करियर खिचकरे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊँची पोस्ट पर हो, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन किसी भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलता ही है। ऐसी कई रिकल होती हैं, जो हर फोल्ड में काम आती है। जो से आप आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पैटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग रिकल यहाँ भी काम आपनी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नौलेज और रिकल्स को बढ़ाएं, एक अच्छी नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजेनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तात्पर्य के होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। व्याकों किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत ज़रूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे।

इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी रिकल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेकर ले सकते हैं। या फिर खुद की कर्कशेप भी लगा सकते हैं।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाए। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शीक है, फोटोग्राफी और पैटिंग का भी शीक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर दें। इससे आपको अपने आप ही मालम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप क्या बहुत है और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता

और न ही आपको परिवार या दोस्त आपकी इसमें

मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडस के लिए जरूरत होती है एक

अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मैटर बने।

हमसे याद रखें कि काम शुरू करने से पहले

अपनी हॉबी के बारे में अपने मैटर से इमानदार

फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

किसी भी कार्य की

टिप्पणी भावना

अच्छी होनी चाहिए।

कार्य को प्रारम्भ करने

के पीछे हमारा भाव व्यवहार

है। हम व्याय करना

चाहते हैं इसका मृत्यु

है। सफलता के लिए

भावना का सुमिरण

कर कार्य करें। भगवान

का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य

में सफलता अवधार मिलती है।

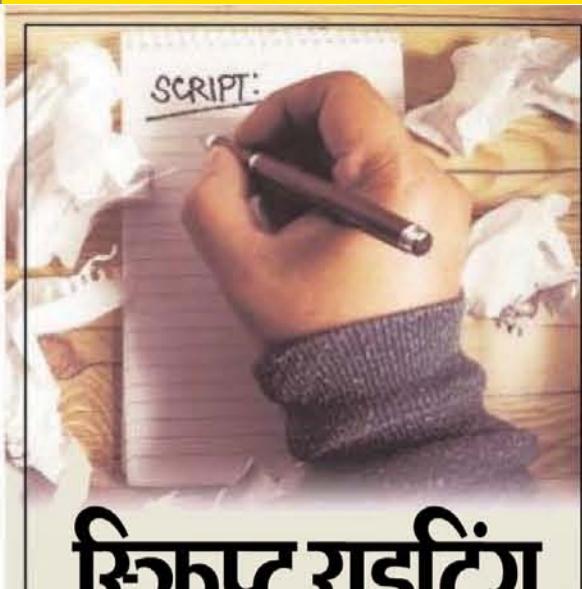
केवल प्रियम से कुछ नहीं होता।

कुछ लोग भगवान की असीम कृपा

से कम परिषम में भी सफलता की

सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

उंचाइयों को छू लेते हैं। सतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपती का सम्मान और मां का सम्मान। अनन्द की ओरिम सीमा आंखों है। हम सामने चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से रख लौटा और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लालौ साधना करने की जरूरत नहीं। मां त्रिस्तरीय काम करती है। सुषि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन



स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढ़ने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढ़ने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं तो उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञानों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञानों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती है। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिगल्स करा जाता है।

वेश्यानों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञानों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती है। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। जहाँ है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कानूनियां और कविता लिखने से कुछ अलग होता है तो योक्ता रिकल्ट में लिखी गई हर काम का फिल्मांकन किया जाता है इसलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञानों के लिए ऐसी जिगल्स की रचना करनी होती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। ऐसे कोई डिजिटल कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।

कल तक विज्ञान ग्राहकों की संरक्षिति के लिए बनाए लेकिन आज जो विज्ञान आ रहे हैं वे ग्राहकों के संरक्षण के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं।

मानवीय भावनात्मक पक्षों को छोड़ विज्ञान न सिर्फ देर तक याद रखते हैं बल्कि मन पर भी ग्राहन अपर छोड़ते हैं।

जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं तो सक्षमता अप्राप्त नहीं। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढ़ना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही यह स्क्रिप्ट संस्थान के बारे में सिखित किया जाता है।

इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन की अपेक्षा जीवन में आ जाएं।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णत-व्यक्ति की विशेषता और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन किसी भी इसके लिए प्रत्यक्षरिता को ओर करना चाहिए।

किसी भी काम के लिए जाए तो बेहतर होता है।

जिसकी तीव्रता और व्यापकता नहीं होती है।



मेरे काम में मदद करती है शोभिता

नागा चैतन्य और शोभिता धूलिपाला ने अपना रिलेशनशिप दो साल तक सीक्रेट रखा। हालांकि, अब भी शोभिता के बंधन में बंधने के बाद दोनों साथ में बहुत कम तस्वीरें शेयर करते हैं। नागा अपनी फिल्म थड़ेल में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान ने अपने रिश्ते को लेकर कुछ बातें की हैं।

तनाव से निकलने में करती हैं मदद नागा चैतन्य ने अपनी आगामी फिल्म थड़ेल के प्रमोशन के दौरान अपने रिश्ते को लेकर भी बात की है। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी काम में भी उनकी बहुत मदद करती है। चैतन्य ने कहा कि उनकी पत्नी बहुत समझदार है, जो हर तानावपूर्ण परिस्थिति से बाहर आने में उनकी मदद करती है। उनके दूने प्रोजेक्टर के बारे में उन्हें सलाह देती हैं। हर जरूरी राय उनकी काम के बारे में वे हमेशा देती रहती हैं।

पत्नी शोभिता देती हैं सही सलाह नागा चैतन्य ने कहा, मैं अपने सभी प्रियाकार उनके पास लेकर जाता हूँ। जब भी किसी तरह की उलझन होती है, तो मैं उनके पास जाता हूँ। जब मैं तनाव में होता हूँ, तो वह उसे प्रसङ्ग लेती है। वह तुरंत मुझसे पूछती है, वया गड़बड़ है? वया है? वह निश्चित रूप से मेरी बातें बोर्ड है। वह मुझे बेहतरीन सलाह देती है। उनकी राय बहुत ही तटस्थ होती है और वह सही जगह से सोचती है। मैं उनकी राय को बहुत महत देता हूँ। हर यीज उनके जरिए फिल्टर होती है। वह बहुत समझदार है।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

नागा चैतन्य की फिल्म 7 फरवरी 2025 को रिलीज होने वाली है। फिल्म का निर्देशन चंदू मोडेटी ने किया। नागा के साथ इस फिल्म में साई पल्लवी भी नजर आने वाली है। इससे पहले नागा

चैतन्य को अपनी

प्रिय

'लव स्टोरी'

के लिए काफी

सराहनाएं मिली

थीं। इस फिल्म में

उनके साथ साई

पल्लवी

नजर

आई

थीं।

दोनों की

केमिस्ट्री

को काफी

प्रसंद

किया गया

था।

लवयापा के ट्रेलर रिलीज पर कांप रही थीं खुशी कपूर

खुशी कपूर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्म लवयापा के लिए पूरी तरह तेयर है। अभिनेत्री जल्द ही ज्येनेद खान नजर आएंगी। फिल्म 7 फरवरी 2025 को फिल्म की रिलीज से पहले इस फिल्म की रिलीज को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि फिल्म की रिलीज को लेकर वे बहुत नर्वस हो रही हैं। जब उन्होंने ट्रेलर लॉन्च पर सिनेमा में ट्रेलर और कृष्ण देखे तो वह कांप रही थीं। खुशी कपूर ने स्वीकार किया कि लवयापा की साथ उनकी ओटीटी फिल्म, द आर्योज की तुलना से उन्हें तनाव हो रहा है। उस पल को याद करते हुए जब उन्होंने फिल्म के ट्रेलर लॉन्च पर पहली बार खुश कपूर को बढ़े पर्दे पर देखा तो खुशी कपूर ने स्वीकार किया कि वह वास्तव में कांप रही थीं। इस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज किए जाने को लेकर जुनेद ने कहा कि ओटीटी बानाम सिनेमा का सावल वितरकों के लिए है, न कि कलाकारों के लिए है। एक बड़े पर्दे के बाजार के फर्क से कलाकारों के लिए कुछ भी नहीं बदलता है। अद्वित चंदू के निर्देशन में बनी लवयापा 07 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



1000 करोड़ रुपये के बजट में बनेगी गजनी 2

सुपरस्टार आमिर खान ने नागा चैतन्य और साई पल्लवी की आने वाली फिल्म थड़ेल के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में शिरकत की। इस इवेंट में साथ के प्रोड्यूसर अल्लू अरविंद भी मौजूद थे। इवेंट के दौरान खान और अरविंद ने बहुचर्चित सीक्रेट गजनी 2 के बारे में बड़ा सकेत दिया।

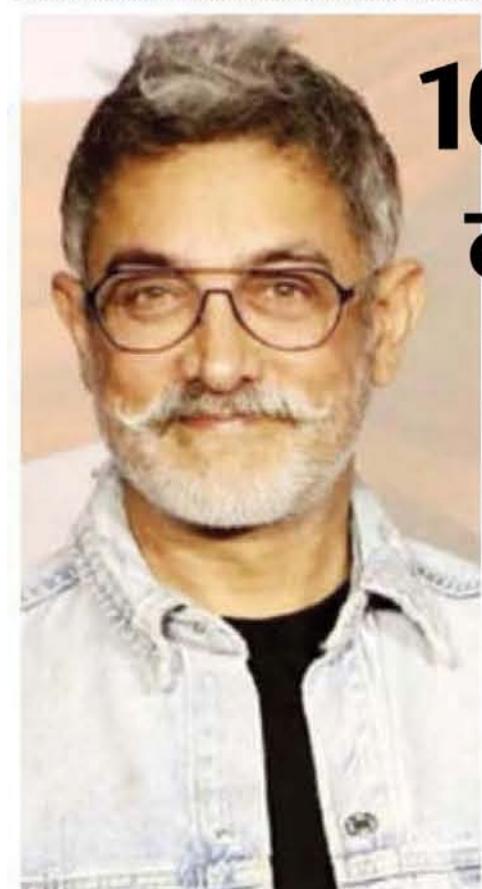
1000 करोड़ी फिल्म बनाएंगे अल्लू अरविंद मेडिंगा से बातचीत करते हुए अल्लू अरविंद ने कहा, मुझे आपके साथ 1000 करोड़ की फिल्म बनानी चाहिए। शायद गजनी 2। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अमिर खान कहा, गजनी 2 के बारे में इंटरनेट पर बहुत कुछ कहा जा रहा है। पिछले कुछ समय से ऐसी खबरें आ रही हैं कि अल्लू अरविंद तमिल और

हिन्दी दोनों में सीक्रेट बनाने की गजनी बना रहे हैं।

अगर रिपोर्ट्स की मानने की तर्फ गजनी 2 में मुख्य भूमिका निभाएंगी, जबकि अमिर खान को हिंदी वर्जन के लिए चुना जाएगा।

अल्लू अरविंद ने दिया अपडेट

रिपोर्ट्स के अनुसार, तमिल संस्करण में सूर्योदय भूमिका निभाएंगी, जबकि अमिर हिंदी अपनी भूमिका को दोहरायेंगे। एक इंटरव्यू के दौरान सूर्योदय कहा, यह आश्वर्यजनक है कि आपने मुझसे अब गजनी 2 के बारे में पूछा। लंबे समय के बाद अल्लू अरविंद ने चित्तव्य भूमिका के लिए चुना गया है। और उन्होंने कहा कि वह साथ दोनों भूमिकाओं के लिए एक बड़ी ट्रेनिंग ली है और उनकी भूमिका का हनुमान से प्रेरित हो सकता है।



एटली की ए6 में हुई रशिमका की एंट्री

सलमान खान और रशिमका मंदाना

पहली बार सिकंदर में साथ नजर

आयेंगे। वे इस समय फिल्म की

शूटिंग भी कर रहे हैं। इन्हीं बीच एक

रिपोर्ट आ रही है कि दोनों डायरेक्टर

एटली के अगले प्रोजेक्ट के लिए फिल्म

से साथ आने वाले हैं। बताया जा रहा

है कि मेकर्स पुष्पा 2 ने रशिमका की

एंट्रीटिंग से बहुत प्रभावित है।

सूत्रों के हवाले से बताया है, सलमान खान

और रशिमका मंदाना दोनों ने सिकंदर के

सेट पर शानदार काम किया। पुष्पा 2 में

रशिमका की एंट्रीटिंग ने सलमान और एटली

दोनों दोनों को प्रभावित किया। यहाँ वजह

है कि निर्माताओं ने सलमान और एटली

की आने वाली फिल्म में भी उन्हें साइन

करने का फैसला किया है।

रशिमका होगी

सिकंदर की बात करें तो निर्माताओं ने

फिल्म का टीजर जारी कर दिया है। 80

सेकंद के धमाकेदार ड्रेलर में सलमान खान

पूरी तरह से एक एवशन

जल्द होगा धमाकेदार ऐलान

एटली ने बताया ए6 ऐसी फिल्म है, जिसमें

बहुत समय और एनर्जी लगती है। हमने

रिकॉर्ड लगाया पूरी कर ली है और हम

तैयारी के चरण में हैं। भगवान के

आशीर्वाद से जल्द ही एक धमाकेदार

ऐलान होगा।

सिकंदर में रशिमका होगी

सिकंदर की बात करें तो निर्माताओं ने

फिल्म का टीजर जारी कर दिया है। 80

सेकंद के धमाकेदार ड्रेलर में जल्द

होगा। जल्द होगा धमाकेदार ऐलान

एटली ने बताया ए6 ऐसी फिल्म है, जिसमें

बहुत समय और एनर्जी लगती है। हमने

रिकॉर्ड लगाया पूरी कर ली है और हम

तैयारी के चरण में हैं। भगवान के

आशीर्वाद से जल्द ही एक धमाकेदार

ऐलान होगा।

सिकंदर में रशिमका होगी

सिकंदर की बात करें तो निर्माताओं ने

फिल्म का टीजर जारी कर दिया है। 80

सेकंद के धमाकेदार ड्रेलर में जल्द

